# पहली बार 2 शावकों के साथ दिखी एसटी-19 बाघिन

## सरिस्का रिजर्व के ट्रैप कैमरे में दिखी रॉयल फैमिली, टाइगर की संख्या अब 25 हो गई है

अलवर, 5 जनवरी (निसं)। अलवर बफर जोन में एसटी-19 बाघिन अपने 2 शावकों के साथ नजर आई है। ट्रैप कैमरा की तस्वीरें सामने आने के बाद सरिस्का प्रशासन ने खुशी जताई है। अब सरिस्का में टाइगर की संख्या 25 हो गई है। इनमें 11 फीमेल, 8 मेल और 6 शावक हैं।

सरिस्का बाघ परियोजना के वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक आरएन मीणा ने बताया कि सरिस्का के अलवर बफर जोन के बारालिवारी वन क्षेत्र में टाइगर एसटी 19 के दो शावक दिखे हैं। इनकी उम्र करीब 2 माह लगती है। 5 जनवरी को पहली बार शावक नजर आए हैं। वैसे टाइगर एसटी 19 की मॉनिटरिंग पिछले साल अक्टूबर और नवम्बर माह से जारी थी। अब टाइगर के शावक मिलने के बाद वन अधिकारी व कर्मचारियों को विशेष मॉनिटरिंग रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस क्षेत्र में और मॉनिटरिंग के लिए कैमरा ट्रैप लगाए जा चुके हैं। बफर जोन का क्षेत्र अलवर शहर के बाला किला, सिलीसेढ , डडीकर तक आता है। हालांकि इस क्षेत्र में टाइगर की साइटिंग नहीं के बराबर है।

अब टाइगर के शावक होने से भविष्य में साइटिंग होने की संभावनाएं बढ़ने लगी है। असल में सरिस्का में टाइगर का कुनबा भी खूब बढ़ता जा रहा है। साल 2004 में पूरे सरिस्का में एक भी बाघ नहीं बचा था। वर्ष 2008 में पहली बार सरिस्का में बाघ शिफ्ट किया गया। उसके बाद सरिस्का वापस बाघों से आबाद होने लगा है। यहां बाघ की संख्या बढ़ने के साथ टूरिस्ट की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। भविष्य में यह संख्या और तेजी से बढ़ने के आसार हैं। वन अधिकारियों के अनुसार अलवर बफर जोन करीब सवा दो सौ किलोमीटर में फैला है।

*सरिस्का टाइगर रिज़र्व में बाघिन एस टी-19 दो शावकों के साथ विचरण करती हुई देखी गई है। हाल ही में बाघिन और उसके शावकों की तस्वीरें कैमरा ट्रैप में रिकॉर्ड हुई हैं।*

## 'सरकार पैट्रोल-डीजल के दामों में 25 रू. की कटौती करे'

नई दिल्ली, 5 जनवरी (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चे तेल के दाम में जिस स्तर पर गिरावट आयी है उसके अनुसार देश की जनता को राहत देते हुए सरकार को पेट्रोल तथा डीजल के दाम 25 रुपए तक कम करनी चाहिए।

- **कांग्रेस ने कहा है कि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम कम हो चुके हैं लेकिन सरकार महंगे पैट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती का कोई नाम ही नहीं ले रही**

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह मांग करते हुए कहा कि मोदी सरकार तेल पर उत्पाद शुल्क कांग्रेस सरकार के स्तर पर लाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हो रही कमी का लाभ देशवासियों को पहुंचाए और पेट्रोल की कीमतों में 26.42 तथा डीज़ल की कीमतों में 25.24 रुपए की कमी करे। उन्होंने कहा कि हाल में हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों में उप चुनाव हारने पर मोदी सरकार ने तुरंत पांच रुपए प्रति लीटर की कमी का झुनझुना देशवासियों को थमा दिया था।

## 'करोना ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

राजनैतिक दलों की पैठ का लाभ उठाया करता है। जहाँ तक उत्तर प्रदेश का प्रश्न है, ऐसा लग रहा है कि सपा ने भाजपा को मुख्य चुनौती देने वाली पार्टी के रूप में अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है।

# नई गाइड लाइन के तहत "प्रशासन शहरों व गांवों के संग" अभियान स्थगित

## राज्य में बढ़ते करोना संक्रमण के चलते गृह विभाग ने नई गाइड लाइन जारी कर कई पाबंदियां लगाईं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 5 जनवरी। राजस्थान में करोना के नये वैरिएंट "ओमक्रॉन" के बढ़ते संक्रमण के चलते राज्य सरकार ने "प्रशासन शहरों व गांवों के संग" अभियान के शिविर स्थगित कर दिये हैं। साथ ही जयपुर के साथ-साथ अब जोधपुर शहरी क्षेत्र में भी आठवीं कक्षा तक के स्कूल 17 जनवरी तक बंद रहेंगे। पूरे प्रदेश में रात 11 से सुबह 5 बजे तक जनअनुशासन कर्फ्यू लागू रहेगा। गृह विभाग ने बुधवार देर शाम नई गाइडलाइन जारी करके यह पाबंदियां लगाई है। यह गाइडलाइन आगामी 7 जनवरी से लागू होंगी।

- **जयपुर के साथ-साथ अब जोधपुर शहर में भी आठवीं कक्षा तक के स्कूल 17 जनवरी तक बंद रहेंगे**
- **प्रदेश में रात 11 से सुबह 5 बजे तक जनअनुशासन कर्फ्यू लागू रहेगा।**

दरअसल बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉफ्रेंस के जरिये राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में सुझाव आये थे कि प्रदेशभर में पाबंदियां लागू की जाएं, अन्यथा करोना संक्रमण बेकाबू हो जाएगा।

इसके बाद देर शाम गृह विभाग ने गाइडलाइन जारी कर दी। इसमें कहा गया है कि "प्रशासन शहरों व गांवों के संग" अभियान के शिविर आगामी आदेश तक स्थगित रहेंगे। ऐसे में अब पट्टा वितरण का काम ठप होने की पूरी-पूरी संभावना है। इसके अलावा जयपुर के साथ-साथ अब जोधपुर शहर में भी आठवीं कक्षा तक के सरकारी व निजी स्कूल 17 जनवरी तक बंद किये गये हैं। जबकि गत 2 जनवरी को जारी गाइडलाइन में सिर्फ जयपुर ग्रेटर व हैरिटेज क्षेत्र (शहरी क्षेत्र) के स्कूलों को 9 जनवरी तक बंद करने का निर्णय लिया गया, जिसे अब बदल दिया गया है।

गाइडलाइन में कहा गया है कि राज्य के अन्य जिलों में स्कूल बंद करने का निर्णय वहां के कलेक्टर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से चर्चा करने के बाद ले सकेंगे।

9वीं कक्षा से ऊपर के सभी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और कोचिंग संस्थानों का संचालन कोविड प्रोटोकॉल की पालना के साथ करवाना होगा।

इसके अलावा प्रदेश के जिन नगर निगम व नगरपालिका क्षेत्रों में सोशल डिस्टेंस से बैठने की व्यवस्था नहीं हों, वहां 50 फीसदी स्टॉफ को ही ऑफिस बुलाया जायेगा, शेष आधा स्टॉफ "वर्क फ्रॉम होम" करेगा। किसी भी कार्यालय में कर्मचारी के कोविड पॉजिटिव आने पर उस ऑफिस को 72 घंटे के लिए बंद करना होगा।

## प्रदेश में नए करोना...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक 9 लाख 46 हजार 470 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। प्रदेश में लगातार नए मामले बढ़ने से रिकवरी रेट घटकर 98.54 फीसदी और पॉजीटिविटी रेट 3.32 प्रतिशत हो गई है। इधर प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर 5016 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 3246 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा जोधपुर में 584, अजमेर में 209, अलवर में 186, कोटा में 163, बीकानेर में 89, भीलवाड़ा में 82, भरतपुर में 70, प्रतापगढ़ में 63 और उदयपुर में 60 एक्टिव केस मौजूद हैं।

जयपुर और जोधपुर में बुधवार को करोना से 1-1 संक्रमित की और मौत हो गई है। इसके साथ प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 8967 लोगों की मौत हो चुकी है।

# 3 ऑक्सीजन प्लांट लगाए, दो चलाने को स्टाफ ही नहीं

श्रीगंगानगर, 5 जनवरी (कासं)। करोना की तीसरी लहर जोर पकड़ रही है और श्रीगंगानगर में ही इसके करीब 25 से ज्यादा एक्टिव केस हैं। यहां के सरकारी अस्पताल में पहली और दूसरी लहर के बाद आनन-फानन में कई व्यवस्थाएं की गई। अस्पताल में तीन ऑक्सीजन प्लांट लगवा भी लिए गए, लेकिन अब भी इनमें से काम एक ही चल रहे एक मात्र प्लांट के संचालन के लिए भी सिक्योरिटी गार्ड ही काम कर रहे हैं। अस्पताल के एक- दो गेटों से इन्हें हटाकर यहां लगाया गया है।

- **सरकारी अस्पताल में करोना से लड़ने की तैयारी अधूरी, अचानक करोना रोगी आए तो होगी परेशानी।**

पहली लहर के बाद से ही अस्पताल में एक्सट्रा ऑक्सीजन प्लांट की डिमांड होने लगी थी। इसी को देखते हुए पहले 65 और फिर करीब दो सौ सिलेंडर क्षमता के दो प्लांट लगाए गए। ऐसे में अस्पताल में तीन ऑक्सीजन प्लांट हो गए लेकिन अब भी चल एक ही रहा है। इलाके में करोना रोगी मिल रहे हैं। पिछले दिनों विदेश से लौटे एक व्यक्ति के पॉजिटिव पाए जाने के बाद तो प्रशासन लगातार रोग को लेकर अलर्ट है। सीएमएचओ डॉ. जीएल मेहरड़ा ने प्रशासन की तैयारियों की जानकारी भी दी लेकिन इसके बावजूद अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट चलाने को स्टाफ को लेकर अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं है।

सरकारी अस्पताल के पीएमओ डॉ. बलदेव सिंह बताते हैं कि अस्पताल में कोरोना को लेकर तैयारी है। कोरोना वार्ड में अब तक कोई रोगी नहीं है। ऑक्सीजन प्लांट के बारे में उनका कहना था कि प्लांट तो तीनों तैयार हैं। एक काम कर रहा है और बाकी दोनों को भी टैस्ट कर लिया गया है लेकिन इन्हें चलाने के लिए स्टाफ नहीं है। चलाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड में से ही व्यवस्था करनी पड़ेगी।

## उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे को सौपेंगे?

पुणे, 5 जनवरी (वार्ता)। महाराष्ट्र भाजपा उपाध्यक्ष चित्रा वाघ ने बुधवार को कहा कि यदि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पत्नी रश्मि ठाकरे को मुख्यमंत्री का पद सौंपते हैं तो उनकी पार्टी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में उनका स्वागत करेगी।

ठाकरे के खराब स्वास्थ्य के कारण हाल ही में विधानसभा के पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र में उपस्थित नहीं होने के कारण रश्मि ठाकरे को मुख्यमंत्री पद सौंपने की अटकलों पर वाघ आज अपनी टिप्पणी दी। वाघ ने कहा कि महा विकास अघाड़ी सरकार में मंत्री या मुख्यमंत्री बनने के लिए किसी अनुभव की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस बात की भी आलोचना की कि जब शिवसेना नेता गुलाब राव पवार ने भाजपा सांसद हेमा मालिनी का अपमान किया तो उनके खिलाफ एक सख्त धारा के तहत मामला क्यों नहीं दर्ज किया गया।

# 'पंजाब के एक किसान संगठन ने प्र.मंत्री का काफिला रोकने की जिम्मेदारी ली'

## भारतीय किसान संघ (क्रांतिकारी) के सदस्यों ने दावा किया, कि हमने फिरोजपुर पहुंचने से पहले ही प्रधानमंत्री का काफिला रास्ते में रोक दिया

चंड़ीगढ़, 5 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पंजाब दौरे पर थे। इस दौरान उनकी सुरक्षा में भारी चूक हुई। इस कारण से उन्हें बीच में ही अपनी यात्रा स्थगित कर वापस दिल्ली आना पड़ गया। फिरोजपुर जिले के पियारियाना गांव में बुधवार को पीएम मोदी के काफिले को रोकने की जिम्मेदारी भारतीय किसान संघ (क्रांतिकारी) के सदस्यों ने ली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज पंजाब दौरे के विरोध में किसानों के एक समूह ने पियारेना गांव के पास फ्लाईओवर को जाम कर दिया था। जिस समय इन प्रदर्शनकारियों ने घुड़सवारों को आते देखा, वे कथित तौर पर सड़कों पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। सूत्रों का कहना है कि प्रदर्शनकारी हरे और लाल झंडे लिए हुए थे, जो कि बीकेयू क्रांतिकारी के झंडे हैं।

- **भारतीय किसान संघ ने कहा कि, जहाँ से प्रधानमंत्री का काफिला गुजरने वाला था, हम वहां पहले से ही मौजूद थे और अपना विरोध प्रकट करने के लिए प्रधानमंत्री को आगे नहीं जाने दिया।**

बीकेयू (क्रांतिकारी) के महासचिव बलदेव जीरा ने दावा किया है कि 'किसानों ने "'अभिमानी मोदी" को सबक सिखाया है। पीएम के काफिले के पीछे हटने के बाद उन्होंने प्रदर्शनकारियों की सभा से कहा, "उसने तुहाड़े रास्ते विच किल पाए सी, आज तुहादी तकत ने मोदी नु भाजा ता नैतिकता।" बीकेयू क्रांतिकारी को अति वामपंथी किसान संघ माना जाता है। हालांकि एसकेएम का हिस्सा होने के बावजूद, उन्होंने हाल ही में संयुक्त समाज मोर्चा-किसान संघों के राजनीतिक गठन का हिस्सा नहीं बनने का फैसला किया था। 2009 में यूनियन के अध्यक्ष सुरजीत फूल को यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया और पांच महीने तक जेल में रखा गया। उन्हें कथित तौर पर माओवादी संगठनों से संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

क्रांतिकारी किसान यूनियन के प्रेस सचिव अवतार महमा ने बताया कि 31 दिसंबर को बरनाला में सात किसान यूनियनों की बैठक हुई थी, जिसमें पीएम के दौरे के दौरान बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया गया था। उन्होंने कहा, प्रत्येक संगठन को एक गांव में अपनी ताकत के आधार पर अलग-अलग जगहों पर विरोध करना था। बीकेयू क्रांतिकारी पियारेना गांव में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

## पक्षी...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

कॉर्डिनेटर डॉ. सुभाष पहाड़िया ने बताया है कि आईयूसीएन की सहयोगी संस्था वैटलैंड्स इंटरनेशनल, बीआरडीएस संस्था और वन विभाग द्वारा एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2022 के कार्यक्रम के अन्तर्गत मोरेल बांध वेटलैंड पर 12 जनवरी को प्रवासी व आवासीय जलीय पक्षियों की गणना की जाएगी।

लालसोट उपखंड में मोरेल बांध पर हर साल आने वाले प्रवासी पक्षियों ने इस वैटलैंड को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। 19 दिसंबर को की गई गणना में यहां 65 प्रजातियों के 6 हजार से अधिक पक्षी रिकार्ड किए गए थे। वैटलैंड इंटरनेशनल द्वारा हर साल जनवरी में 1 से 20 तारीख तक भारत सहित दक्षिण एशिया के देशों और आस्ट्रेलिया में प्रवासी व आवासीय जलीय पक्षियों की गणना की जाती है। एशियन वाटरबर्ड सैन्सस भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना में शामिल मध्य एशियाई फ्लाईवे 2018-2023 के साथ प्रवासी पक्षियों और उनके आवासों के संरक्षण हेतु भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त महत्वपूर्ण पक्षी गणना है। मोरेल बांध की जैव विविधता के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे राजेश पायलेट गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पहाड़िया को जिला पर्यावरण समिति का सदस्य नामित किया गया है। जिले के पर्यावरण संरक्षण के साथ ही मोरेल बांध वैटलैंड को पक्षी विहार अथवा कंजर्वेशन रिजर्व घोषित करने के कार्य को समिति की कार्य योजना में शामिल किया गया है। डॉ पहाड़िया पिछले तीन साल से लगातार मोरेल बान्ध की जैवविविधता और प्रवासी पक्षियों पर शोध कार्य कर रहे हैं। मोरेल बांध पर आने वाले जल एवं प्रवासी पक्षियों की बड़े पैमाने पर बड़ी संस्थाओं के साथ होने वाली घटना की सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों में काफी हर्ष और उत्साह देखा जा रहा है।

# 'दुर्घटना के वक्त जनरल रावत के हेलिकॉप्टर में कोई तकनीकी खामी या टूट-फूट नहीं हुई थी'

- **सेना ने रक्षा मंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया कि, घने बादलों के बीच हेलिकॉप्टर के फंस जाने के कारण दुर्घटना हुई थी।**
- **सूत्रों के अनुसार दुर्घटना की जांच के लिए तीनों सेनाओं के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने रिपोर्ट में दुर्घटना के कारणों जाँच की है।**

नई दिल्ली, 5 जनवरी (वार्ता)। देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत का हेलिकॉप्टर पिछले महीने अचानक घने बादलों में फंसने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और किसी तकनीकी गड़बड़ी या तोड़ फोड़ की साजिश के कारण यह दुर्घटना नहीं हुई थी।

इस दुर्घटना की जांच के लिए गठित कोर्ट ऑफ इंक्वायरी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बुधवार को सौंपी रिपोर्ट में यह बात कही है। गत आठ दिसम्बर को कन्नूर के निकट हुई इस दुर्घटना में जनरल रावत, उनकी पत्नी और 12 अन्य सैनिकों की मौत हो गयी थी।

सूत्रों के अनुसार दुर्घटना की जांच के लिए तीनों सेनाओं के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने रिपोर्ट में दुर्घटना के कारणों के साथ-साथ अति विशिष्ट व्यक्तियों की हेलिकॉप्टर यात्रा के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें भी दी हैं।

एयर मार्शल मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता वाली टीम ने रक्षा मंत्री के सामने दुर्घटना के कारणों का खाका भी पेश किया। इस मौके पर वायु सेना प्रमुख विवेक राम चौधरी और रक्षा सचिव अजय कुमार भी मौजूद थे।

सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में कहा गया है कि हेलिकॉप्टर के अचानक घने बादलों में फंसने के कारण एक विशेष स्थिति 'कंट्रोल्ड फ्लाइट इंटू टेरेन' बन गयी जिसमें घने बादलों के कारण पायलट को नजर नहीं आता और हालात उसके काबू से बाहर हो जाते हैं जिससे हेलिकॉप्टर जमीन, पहाड़ या अन्य किसी चीज से टकरा जाता है।

जांच रिपोर्ट में हेलिकॉप्टर दुर्घटना के लिए किसी तरह की तकनीकी गड़बड़ी या तोड़-फोड़ की साजिश जैसी आशंकाओं को खारिज किया गया है। जांच टीम ने अति विशिष्ट व्यक्तियों की यात्रा के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया की समीक्षा करने की भी सिफारिश की है। जांच टीम ने एक महीने से भी कम समय में रिपोर्ट देने से पहले सभी पहलुओं से सबूतों तथा ब्लैक बॉक्स की जांच के साथ-साथ तमाम परिस्थितियों का अध्ययन किया है। जांच में पायलट के हड़बड़ी में किसी तरह का संपर्क करने के भी संकेत नहीं मिले हैं। इस हेलिकॉप्टर को उडा रहे विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान खुद हादसे मे मारे गये और उन्हें विशेष परिस्थितियों में उडान भरने का अच्छा खासा अनुभव था।

## हाथ में ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

किशनगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज में बहुत सारी संख्या में बम पड़े थे। उसने एक बम को जैसे ही हाथ में लिया तभी ये हादसा हो गया। उसके साथ वाले चरवाहे उसे लेकर रामगढ़ अस्पताल लाए जहां गंभीर अवस्था में उसे जैसलमेर लाया गया।

## फिरोजपुर...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

घोषणाएं भी करनी थीं तथा वे सब अब ताक पर रख दी गईं। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री और भाजपा इन आरोपों को लगाते हुये फूले नहीं समा रहे हैं लेकिन मोदी द्वारा किये जा रहे इस ड्रामे को स्वीकार करने वाले गिने-चुने लोग ही हैं।

# प्र.मंत्री फिरोज़पुर यात्रा स्थगित कर...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

भाजपा के चुनावी फायदे के लिए एक सहानुभूति प्राप्त करने के एक स्पष्ट प्रयास के तहत मोदी ने राज्य के अधिकारियों से कहा: "अपने सी.एम. को थैंक्स कहना, कि मैं भटिण्डा एयरपोर्ट तक जिन्दा लौट पाया।"

भाजपा ने इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हुए एक प्रैस कॉफ्रैंस आयोजित की, जिसे केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने संबोधित किया और प्रधानमंत्री ने जीवन को जोखिम में डालने वाली सुरक्षा चूक के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेवार माना।

दूसरी ओर, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक ट्वीट में कहा कि फिरोजपुर की प्रस्तावित सभा में लोगों के कम संख्या में एकत्रित होने के कारण दौरा निरस्त किया गया। सुरजेवाला ने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री की रैली से स्वयं को दूर रखकर अभिमानी शासकों को एक आईना दिखाया है।

सुरजेवाला ने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को दोषारोपण से बाज आने की नसीहत देते हुए कहा कि उनके लिए स्वयं का आत्मपरीक्षण करना ही बेहतर होगा।

नड्डा ने इससे पूर्व श्रृंखलाबद्ध ट्वीट्स कर इसका दोष पंजाब की राज्य सरकार को दिया था। इससे पहले, मुख्यमंत्री चन्नी ने इस पर जोर दिया कि सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई। उन्होंने ध्यान दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार पंजाब के एक फ्लाईओवर पर करीब 20 मिनट तक अटकी रही। प्रधानमंत्री के पुन: लौटने पर मुख्यमंत्री ने खेद व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि "प्रदर्शनकारी जिस स्थल पर बैठे हुए थे, प्रधानमंत्री के काफिले को उससे काफी पहले रोका गया। कैसे भी विरोध प्रदर्शन को हटाने में कम से कम 10-20 मिनट तो लगते ही हैं। प्रधानमंत्री को इससे अवगत करवा दिया गया था तथा उन्हें एक भिन्न मार्ग भी ऑफर किया गया था, लेकिन उन्होंने वापिस लौटने का विकल्प चुना।"

पंजाब के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आज की घटना को लेकर किसी भी अधिकारी को निलंबित नहीं किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का एयरपोर्ट पर स्वागत नहीं करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि "मुझे आज भटिण्डा में प्रधानमंत्री की अगुवानी करने जाना था, लेकिन मेरे साथ आने वाले लोग कोविड पॉज़िटिव आ गए। इसलिए मैं आज प्रधानमंत्री की अगुवानी करने नहीं जा सकता क्योंकि पॉज़िटिव आए कुछ लोगों के मैं निकट सम्पर्क में था।"

सुरक्षा में हुई चूक को लेकर मुख्यमंत्री की खुद की पार्टी के ही नेता सुनील जाखड़ ने उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह "पंजाबियत" के खिलाफ है और बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

मोदी बुधवार की सुबह ही भटिण्डा के भिसियाना एयरपोर्ट पहुंच गए थे और किसानों द्वारा सड़क जाम किए जाने के कारण वे फिरोजपुर-मोगा रोड परर पिआरिआना गांव के पास एक फ्लाईओवर पर फंस गए। किसान उनके और आगे जाने का विरोध कर रहे थे। प्रधानमंत्री की मूल योजना हैलीकॉप्टर से फिरोजपुर जाने की थी, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से उन्हें सड़क मार्ग से जाना पड़ा। पिछले दो वर्षों में मोदी का यह प्रथम पंजाब दौरा था।

प्रधानमंत्री का काफिला जब मार्ग खुलने की प्रतीक्षा कर रहा था, तभी पास के एक गुरूद्वारे से की गई घोषणा के बाद प्रदर्शन स्थल पर और किसान एकत्रित हो गए, जिसके कारण प्रधानमंत्री की एसपीजी सुरक्षा टीम को सुरक्षा जोखिम की आशंका के चलते पुन: लौटने का निर्णय लेना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री का काफिला करीब 15 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसा रहा।

पंजाब के दौरे जाने से कुछ घंटों पूर्व ही प्रधानमंत्री ने बुधवार को ही एक ट्वीट में कहा था कि "मैं आज पंजाब में अपने भाईयों और बहनों के बीच होने की बाट जोह रहा हूँ।"

मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि "फिरोजपुर के एक कार्यक्रम में 42 हजार 750 करोड़ रूपयों के विकास कार्यों की आधारशिला रखी जाएगी, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।"

इस बीच, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने एक मंच साझा कर मुख्यमंत्री चन्नी की सरकार पर आरोप लगाया कि उसने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को रैली स्थल पर जाने से रोकने के लिए जबरन सड़क जाम करवायी।

जब भाजपा नेताओं ने रैली स्थल पर जा रही भाजपा कार्यकर्ताओं की बसों को पुलिस द्वारा रोके जाने का दावा किया उसके बाद ही यह आरोप लगाए गए।

## किसी स्कूल को...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में कन्वर्ट करने के गत 20 सितंबर के आदेश को अपास्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस स्कूल को अगले सत्र वर्ष 2022-23में अंग्रेजी मीडियम में तब्दील करना है तो एसडीएमसी की मीटिंग एसडीएम या तहसीलदार की मौजूदगी में बुलाई जाए और उसमें बहुमत के अनुसार फैसला करें। इंग्लिश मीडियम के लिए बहुमत नहीं होता है तो उसे कन्वर्ट नहीं करें।

पीलवा गांव में स्थित हरिसिंह सीनियर सैकंडरी स्कूल हिंदी मीडियम में है तथा यहां 600 बच्चे अध्ययनरत हैं। सरकार ने बजट में घोषणा की थी कि 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले जाएंगे। इस पर स्कूल के मैनेजमेंट कमेटी की मीटिंग में गांव में भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले जाने का प्रस्ताव पारित किया तथा साथ ही कहा कि हिंदी मीडियम के स्कूल को यथावत रखते हुए नया अंग्रेजी स्कूल खोला जाए। यानी उसी स्कूल की एक पारी में इंग्लिश मीडियम तो दूसरी पारी में हिंदी मीडियम का स्कूल संचालित हो।याचिकाकर्ता ने कहा बच्चों को मातृभाषा में पढ़ाई के अधिकार से वंचित रखना मौलिक अधिकारों का हनन है।

इस आदेश को एसडीएमसी के सदस्य हरीश खत्री व अन्य की ओर से अधिवक्ता मोतीसिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी और कहा कि इस तरह बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाई के अधिकार से वंचित करना संवैधानिक मौलिक अधिकारों का हनन है।

सरकार एसडीएमसी की सहमति या बहुमत के बिना फैसला नहीं कर सकती। जबकि सरकार ने इसे नीतिगत फैसला बताया और कहा कि इसे कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। दोनों पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने गत 9 दिसंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे सुनाया गया।

राष्ट्रदूत ( एचयूएफ ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा अरावली प्रिन्टर्स, जयपुर रोड, अजमेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908